



Shri Shankaracharya Group of Institutions

(Approved by AICTE)

(Managed by Shri Gangajali Education Society, Bhilai)

JUNWANI, BHILAI-490 020 (CHHATTISGARH), INDIA

Phone: 0788-2291605, 2291607, Fax: 0788-2291606, E-mail: ssgl@ssgl.edu.in

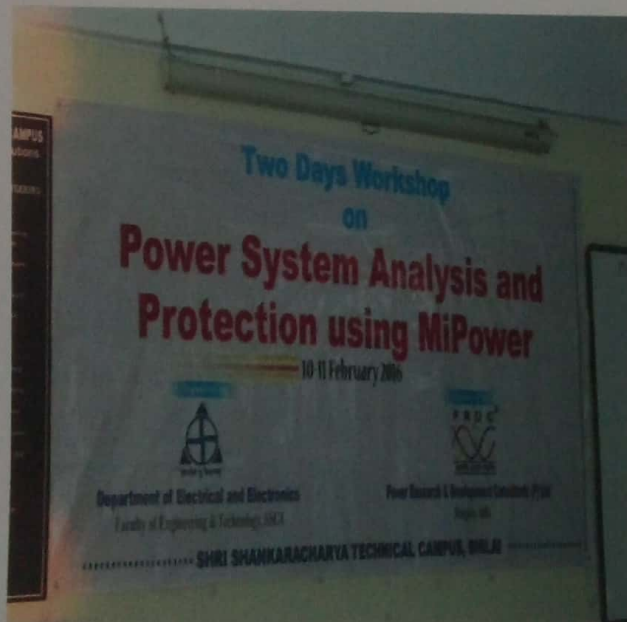


Department of Electrical and Electronics Engineering

"Two days Workshop on "Power System Analysis and Protection using Mi Power from 10-11 February 2016"

Reliable power management is need of the day where power demand is increasing day by day. To understand the challenges in the power delivery systems, Electrical and Electronics Engineering department of Shri Shankaracharya Technical Campus, in association with the Power Research and development consultants (PRDC), Bangalore had arranged Two days technical workshop on the "**Power System Analysis and Protection using Mi-Power software**". The workshop was intended for the professionals from Academic and Industry. More than 50 participants which include the experts from academic institutions and Chattisgarh State Electricity board and the faculty members from SSTC and PRDC actively participated in the brainstorming sessions.

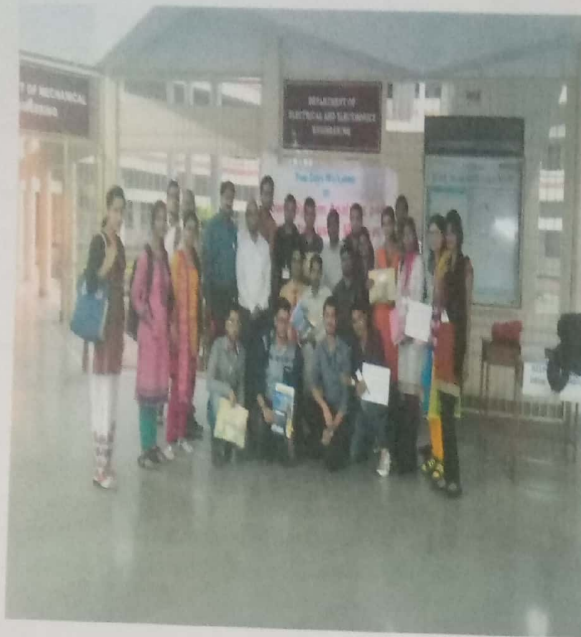
Dr Shekhar Kelapure of PRDC highlighted the growing complexity in power system operations and protection and role of simulation software and automation in improving the reliability. The role of these technologies in building the Smart grid and Smart city initiatives by Govt of India has also been discussed.



Flex for the Event



Inauguration of the workshop with saraswati puja



Participants with Faculty in charge

एक सॉफ्टवेयर में हजार से ज्यादा इलेक्ट्रिक कंपोनेंट पढ़ेंगे स्टूडेंट्स

'आई पीएचर सफ्टवेयर' से इलेक्ट्रिक की गलतियों को जानना संभव

राजेश कुमार कान्त

50 परीक्षार्थियों ने उत्साह से भाग लिया

अभिनव शिक्षण को बढ़ावा देकर सॉफ्टवेयर स्टूडेंट्स

कंप्यूटर एप्लिकेशन की मदद से एक हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कंपोनेंट्स को एक ही सॉफ्टवेयर में पढ़ाया जा रहा है। यह सॉफ्टवेयर 'आई पीएचर सफ्टवेयर' है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से 50 परीक्षार्थियों को इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कंपोनेंट्स को एक ही सॉफ्टवेयर में पढ़ाया जा रहा है।

इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कंपोनेंट्स को एक ही सॉफ्टवेयर में पढ़ाया जा रहा है। यह सॉफ्टवेयर 'आई पीएचर सफ्टवेयर' है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से 50 परीक्षार्थियों को इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कंपोनेंट्स को एक ही सॉफ्टवेयर में पढ़ाया जा रहा है।

इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कंपोनेंट्स को एक ही सॉफ्टवेयर में पढ़ाया जा रहा है। यह सॉफ्टवेयर 'आई पीएचर सफ्टवेयर' है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से 50 परीक्षार्थियों को इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कंपोनेंट्स को एक ही सॉफ्टवेयर में पढ़ाया जा रहा है।

इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कंपोनेंट्स को एक ही सॉफ्टवेयर में पढ़ाया जा रहा है। यह सॉफ्टवेयर 'आई पीएचर सफ्टवेयर' है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से 50 परीक्षार्थियों को इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कंपोनेंट्स को एक ही सॉफ्टवेयर में पढ़ाया जा रहा है।

इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कंपोनेंट्स को एक ही सॉफ्टवेयर में पढ़ाया जा रहा है। यह सॉफ्टवेयर 'आई पीएचर सफ्टवेयर' है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से 50 परीक्षार्थियों को इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कंपोनेंट्स को एक ही सॉफ्टवेयर में पढ़ाया जा रहा है।

इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कंपोनेंट्स को एक ही सॉफ्टवेयर में पढ़ाया जा रहा है। यह सॉफ्टवेयर 'आई पीएचर सफ्टवेयर' है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से 50 परीक्षार्थियों को इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कंपोनेंट्स को एक ही सॉफ्टवेयर में पढ़ाया जा रहा है।

Press Coverage

Dr R N Patel
Coordinator

Dr P B Deshmukh
Director, SSTC